हिंदी कार्यशाला का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के ऋषिकेश स्थित कारपोरेट कार्यालय में 12 जून, 2026 को राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में टीएचडीसी के उप महाप्रबंधक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), हरिद्वार के विभिन्न सदस्य संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अमर नाथ त्रिपाठी, अध्यक्ष (नराकास हरिद्वार) एवं मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) तथा श्री डी.पी. पात्रो, अपर महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) का स्वागत प्लांट भेंट कर किया गया। अपने संबोधन के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) डॉ. अमर नाथ त्रिपाठी ने दिनांक 22.05.2026 को माननीय संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति द्वारा किए गए हालिया निरीक्षण का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने सदस्य संस्थानों को सचेत करते हुए कहा कि रिपोर्टों में आंकड़े भरने में होने वाली त्रुटियों को संसदीय समिति ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। उन्होंने सभी सदस्य संस्थानों से अपील की कि भविष्य में तिमाही प्रगति रिपोर्ट तैयार करते समय पूरी सावधानी बरतें तथा केवल तथ्यपरक एवं सटीक आंकड़े ही प्रस्तुत करें। ये तिमाही प्रगति रिपोर्ट ही किसी भी निरीक्षण, अर्धवार्षिक रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने की आधारशिला हैं।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में नराकास के सदस्य सचिव एवं उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री पंकज कुमार शर्मा ने सभी आगंतुक प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ केंद्र सरकार की राजभाषा नीति, नियमों तथा अधिनियमों पर व्यापक चर्चा की। इसके साथ ही, उन्होंने गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 की प्रमुख मदों तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट के आंकड़ों को शुद्धता से भरने के तौर-तरीकों के बारे में विस्तार से तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में जैमिनी, मैटा और चैट जीपीटी जैसे एआई टूल्स के प्रयोग के बारे में भी बताया गया। इस कार्यशाला में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अतिरिक्त बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई (IDBI) बैंक, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD), रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), एसएसबी (SSB) श्रीनगर, एनआईटी (NIT) श्रीनगर तथा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में कुल मिलाकर 33 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यशाला के व्यावहारिक और ज्ञानवर्धक सत्र के समापन पर सभी प्रतिभागियों के बीच नैतिक मूल्यों और राजभाषा के सम्मान के प्रतीक स्वरूप 'श्रीमदभगवदगीता' की प्रतियां वितरित की गईं। सभी उपस्थित अधिकारियों व प्रतिनिधियों ने राजभाषा के विकास और उसके शत-प्रतिशत कार्यान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।